ओडीओपी से आई परंपरागत उद्योगों में जान, सिर्फ अमेजन पर 24 करोड़ में बिके 50 हजार उत्पाद

ओडीओपी से मिला 28000 से ज्यादा को रोजगार

राज्य मुख्यालय | **प्रमुख संवाददाता**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मेगा प्रोजेक्ट 'एक जनपद, एक उत्पाद' (ओडीओपी) ने प्रदेश में दम तोड़ रहे परंपरागत उद्योगों में जान फूंक दी है। इस योजना के माध्यम से सभी 75 जिलों के अलग-अलग उत्पादों को नई पहचान दी गई है। इसके लिए उद्योग विभाग ने नीतियां बनाने से लेकर पिछले तीन साल में करीब 2600 उद्यमियों को 82.83 करोड़ की आर्थिक मदद भी की गई है। इन उद्योगों में 28 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार भी मिले हैं।

अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल एमएसएमई ने बताया कि

75 जिलों के उत्पादों को ओडीओपी से मिली खास पहचान

03 साल में करीब 2600 उद्यमियों को दी गई आर्थिक मदद

ओडीओपी के 11 हजार उत्पाद अमेजन पर उपलब्ध कराए गए हैं। अब तक 24 करोड़ की कीमत के 50 हजार उत्पादों की बिक्री हुई है। वित्तीय वर्ष 2018-19 में इससे 10733 लोगों को रोजगार मिले। 2019-20 में 1442 उद्यमियों को 43.53 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी गई और 15253 लोगों को रोजगार मिले।

माटीकला मेले में मिट्टी के डिजाइनर दिये व मूर्तियां

खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड परिसर में माटीकला मेले में लोगों को मिट्टी के डिजाइनर दिये, मूर्तियां व बर्तन काफी पंसद आ रहे हैं। रविवार को काफी भीड़ मेले में उमड़ी। अपर मुख्य सचिव व महाप्रबंधक माटीकला बोर्ड डा. नवनीत सहगल ने बताया कि प्रदर्शनी में शिल्पकारों द्वारा मिट्टी से बने उत्पादों का कलात्मक प्रदर्शन सजीव रूप में किया गया है। इलेक्ट्रिक चाक पर मिट्टी के प्याले, कुल्हड़ व दिए को बनता देखकर लोग काफी उत्साहित हो रहे हैं।

मेले में अब तक नौ लाख के सामानों की बिक्री

विभिन्न जिलों से आए कुम्हारों व शिल्पकारों ने बताया कि लखनऊवासियों द्वारा उनकी कलाकृतियों को न सिर्फ सराहा जा रहा बल्कि उनकी अच्छी बिक्री भी हो रही है। उन्होंने बताया कि लोगों में आज पारंपरिक कला के प्रति जागरूकता देखने को मिल रही है जो भविष्य के लिए माटीकला से जुड़े लोगों का उत्साहवर्धन कर रही है। मेले में रविवार को करीब 4.15 लाख की बिक्री हुई। 4 नवंबर से अब तक 8.65 लाख की बिक्री हो चुकी है।

Hindustan – P-4 (09/11/2020)